Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 03 मार्च, 2021

संसद टीवी

'राज्यसभा टीवी' और 'लोकसभा टीवी' का विलय करके 'संसद टीवी' का गठन करने संबंधी प्रस्ताव को मंज़ूरी दे दी गई है। भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) के सेवानिवृत्त अधिकारी रविकपूर को आगामी एक वर्ष की अवधि के लिये 'संसद टीवी' का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। संसद टीवी लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही का प्रत्यक्ष प्रसारण दो अलग-अलग चैनलों के माध्यम से करेगा। दोनों चैनलों के एकीकरण को लेकर प्रसार भारती के पूर्व अध्यक्ष ए. सूर्य प्रकाश की अध्यक्षता में गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर राज्यसभा के सभापति एम. वेंकैया नायडू और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने संयुक्त रूप से यह निर्णय लिया। इस समिति का गठन दर्शकों को संसद के काम-काज के बारे में और अधिक जानकारी देने के लिये नीति बनाने हेतु सिफारिश करने के लिये किया गया था। समिति ने सुझाव दिया है कि नए चैनल पर दोनों सदनों की कार्यवाही के अलावा सदन की विभिन्न अन्य गतिविधियों से संबंधित जानकारी भी प्रसारित की जाएगी, जिसमें संसदीय समितियों के कामकाज और संसद सदस्यों द्वारा की जाने वाली विकास गतिविधियाँ आदि शामिल हैं। 'लोकसभा टीवी' की शुरुआत 24 जुलाई, 2006 को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी के प्रयासों के बाद हुई थी। एक टीवी चैनल के रूप में 'लोकसभा टीवी' की शुरुआत से पूर्व कुछ विशिष्ट संसदीय गतिविधियों का ही टीवी पर प्रसारण किया जाता था, जैसे- संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति का संबोधन आदि। वहीं 'राज्यसभा टीवी' की शुरुआत वर्ष 2011 में हुई थी। राज्यसभा में कार्यवाही के प्रत्यक्ष प्रसारण के अलावा 'राज्यसभा टीवी' संसदीय मामलों का विश्लेषण भी प्रस्तुत करता है और ज्ञान-आधारित विशिष्ट कार्यक्रमों के लिये एक मंच प्रदान करता है। यही कारण है कि आम लोगों के बीच 'राज्यसभा टीवी' अधिक प्रचलित माना जाता है।

विश्व वन्यजीव दिवस

3 मार्च, 2020 को दुनिया भर में विश्व वन्यजीव दिवस मनाया जा रहा है। यह दिवस वन्यजीवों के संरक्षण के महत्त्व के बारे में जागरूकता के प्रसार हेतु प्रत्येक वर्ष 3 मार्च को मनाया जाता है। 20 दिसंबर, 2013 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 3 मार्च को विश्व वन्य जीव दिवस के रूप में मानने का निर्णय लिया था। संयुक्त राष्ट्र ने अपने रेज़ोल्यूशन में घोषणा की थी कि विश्व वन्यजीव दिवस आम लोगों को विश्व के बदलते स्वरूप तथा मानव गतिविधियों के कारण वनस्पतियों एवं जीवों पर उत्पन्न हो रहे खतरों के बारे में जागरूक करने के प्रति समर्पित होगा। ज्ञात हो कि 3 मार्च, 1973 को ही वन्यजीवों और वनस्पतियों की लुप्तप्राय प्रजातियों के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पर कन्वेंशन (CITES) को अंगीकृत किया गया था। इस वर्ष विश्व वन्यजीव दिवस की थीम है- 'फारेस्ट एंड लाइवलीहुड: सस्टेनिंग पीपल एंड प्लानेट।' यह दिवस इस तथ्य को रेखांकित करने का अवसर प्रदान करता है कि मानव जीवन के लिये वन एवं पारिस्थितिकी तंत्र कितने महत्त्वपूर्ण हैं। संयुक्त राष्ट्र की मानें तो वैश्विक स्तर पर लगभग 200 से 350 मिलियन लोग या तो जंगलों के भीतर/आसपास रहते हैं या फिर जीवन एवं आजीविका के लिये वन संसाधनों पर प्रत्यक्ष तौर पर निर्भर हैं।

विश्व एनजीओ दिवस

प्रत्येक वर्ष 27 फरवरी को वैश्विक स्तर पर समाज के विकास में गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) के योगदान को रेखांकित करने के लिये विश्व एनजीओ दिवस का आयोजन किया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में लोगों को गैर-सरकारी संगठनों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने के लिये प्रेरित करना है। यह दिवस आम लोगों को NGO संस्थापकों, कर्मचारियों, स्वयंसेवकों, सदस्यों और समर्थकों को सम्मानित करने और उनके कार्य को समझने का अवसर प्रदान करता है। सर्वप्रथम विश्व एनजीओ दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा वर्ष 2014 में आयोजित किया गया था। गैर-सरकारी संगठन (NGO) एक निजी संगठन होता है, जो आम लोगों की समस्याओं और चुनौतियों को दूर करने, निर्धनों के हितों का संवर्द्धन, पर्यावरण की रक्षा, बुनियादी सामाजिक सेवाएँ प्रदान करने अथवा सामुदायिक विकास आदि गतिविधियाँ संचालित करता है। ये किसी सार्वजनिक उद्देश्य को लक्षित करते हैं। ये संगठन सरकार का हिस्सा नहीं होते हैं, इन्हें कानूनी दर्जा प्राप्त होता है और ये किसी विशिष्ट अधिनियम के तहत पंजीकृत होते हैं।

प्रेस सूचना ब्यूरो

भारतीय सूचना सेवा (IIS) के वरिष्ठ अधिकारी जयदीप भटनागर ने हाल ही में प्रेस सूचना ब्यूरो-पीआईबी के प्रधान महानिदेशक का पदभार संभाल लिया है। जयदीप भटनागर वर्ष 1986 बैच के भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी हैं। इससे पहले वे दूरदर्शन में वाणिज्यिक और विपणन प्रभाग के प्रमुख के रूप में कार्य कर चुके हैं। वर्ष 1919 में स्थापित प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) भारत सरकार की एक नोडल एजेंसी है, जो सरकारी नीतियों, कार्यक्रमों, पहलों और उपलब्धियों पर प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सूचना प्रसारित करती है। यह सरकार और मीडिया के बीच एक इंटरफेस के रूप में कार्य करती है। PIB का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। सूचना प्रसारित करने के अलावा प्रेस सूचना ब्यूरो (PIB) द्वारा विदेशी मीडिया समेत विभिन्न मीडिया प्रतिनिधियों को मान्यता प्रदान की जाती है। इससे मीडिया प्रतिनिधियों को सरकारी स्रोतों से सूचना प्राप्त करने में सुविधा होती है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-03-march-2021